

Q

Printed Pages : 8

B.A.M.S. ( Prof.-I)

Roll No. : 1930708101053

**8003**

**B.A.M.S. ( Prof.-I ) Examination, 2019**

(New Course)

**PROFESSIONAL**

[ Third Paper ]

( Sanskrit )

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ, ब एवं स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन कीजिए। खण्ड अ, ब एवं स क्रमशः 40, 20 एवं 40 अंकों के हैं। अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

खण्ड-अ

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। [8x5=40]

8003/240

( 1 )

[P.T.O.]





**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

 **KAPWING**

(क) प्रत्याहारों की सिद्धि कीजिए :

(i) इक्

(ii) यण्

(iii) चर

(iv) शर

(v) झश्

(ख) उच्चारण स्थानों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ग) एचोऽयवायावः सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

(घ) नियम निर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए :

(i) गुरवे

(ii) पावकः

(iii) गणेश

(iv) दैत्यारि

(v) हरेऽव



(ड) निम्नलिखित पदों में विग्रह करते हुए समास बताइए :

(i) निर्मलम्

(ii) ज्ञानशून्य

(iii) अकृतम्

(iv) कुपुरुषः

(v) त्रिफला

(च) यथा विसमृणालानि विवर्धन्ते समन्ततः।

भूमौ पङ्क्तोदकस्थानि तथा मांसे सिरादयः॥

की व्याख्या कीजिए।

(छ) निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(i) संस्कृत भारत की बहुमूल्य निधि है।

(ii) योगेश्वर को लड्डू अच्छे लगते हैं।

(iii) शिवम वृक्षों से पत्तों को चुनता है।

(iv) वृक्षों के विनाश से देश की हानि होती है।

(v) आवश्यकता आविष्कार की जननी है।

(ज) भू धातु का लङ् लकार में रूप लिखिए।

खण्ड-ब

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। [10x2=20]

2. (अ) निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

(i) गुरु नमः।

(ii) शिवम माम मित्र अस्ति।

(iii) मोहनं मोदकः रोचते।

(iv) रामस्य सह सीता गच्छति।

(v) पादस्य खञ्जः सुरेश विद्यालयं गच्छति।

(ब) कादयो मावऽवसानाः स्पर्शाः सूत्र की व्याख्या कीजिए।

या

3. (अ) फल शब्द की सभी विभक्तियों के रूप लिखिए।

(ब) धातु रूप लिखिए।

(i) पठ् धातु विधि लिङ् प्रथम पुरुष।

(ii) गम् धातु लोट् लकार उत्तम पुरुष।



4. लोभाविष्टचक्रधर कथा लिखकर उसका आशय प्रतिपादित कीजिए।

या

5. निम्न श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

- (i) अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।  
उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
- (ii) न तत् स्वर्गेऽपि सौख्यं स्याद्दिदव्यस्पर्शेन शोभने।  
कुस्थानेऽपि भवेत्पुंसां जन्मनो यत्र सम्भवः॥

खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 600 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। [20x2=40]

6. निम्नांकित पद्यों के अभिप्राय स्पष्ट कीजिए :

- (i) हिताहितं सुखं दुःखमायुस्तस्य हिताहितम्।  
मानं च तच्च यत्रोक्तमायुर्वेदः स उच्यते॥
- (ii) आदित्यस्य नमस्कारं ये कुर्वन्ति दिने दिने।  
जन्मान्तरसहस्रेषु दारिद्र्यं नोपजायते॥

- (iii) वायुरायुर्बलं वायुर्वायुर्धाता शरीरिणाम्।  
वायुर्विश्वमिदं सर्वं प्रभुर्वायुश्च कीर्तितः॥
- (iv) शरीरं हि विना वायुः समतां याति दारुभिः।  
वायुः प्राणः सुखं वायुर्वायुः सर्वमिदं जगत्॥

या

7. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

- (i) आयुः कामायमानेन धर्मार्थसुखसाधनम्।  
आयुर्वेदोपदेशेषु विधेयः परमादरः॥
- (ii) सर्वमेव त आयुर्यन्ति ये प्राणं बह्योपासते।  
प्राणो हि भूतानामायुः तस्मात्सर्वायुषमुच्यते॥
- (iii) कफमेदोविषातानां रात्रौ जागरणं हितम्।  
दिवास्वपनश्च तृट्शूलहिक्काऽजीर्णातिसारिणाम्॥
- (iv) शरीरे क्षीयमाणेऽपि वर्धते द्वाविमौ सदा।  
स्वभावं प्रकृतिं कृत्वा नखकेशाविति स्थितिः॥

8. सुश्रुतसंहिता के निम्न पद्यों की व्याख्या कीजिए :

- (i) अशितं खादितं पीतं लीढं कोष्ठगतं नृणाम्।  
तज्जीर्यति यथाकालं शोषितं पित्ततेजसा॥





**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

 **KAPWING**



- (ii) अरोगः सुमना ह्येवं बलवर्णान्वितो वृषः।  
नातिस्थूलकृशः श्रीमान् नरो जीवित् समाः शतम्॥
- (iii) निद्राहेतुस्तमः सत्त्वं बोधने हेतुरुच्यते।  
स्वभाव एव वा हेतुर्गरीयान् परिकीर्त्यते॥
- (iv) कृत्स्नदेहाश्रितं शुक्रं प्रसन्नमनस्तथा  
स्त्रीषु व्यायच्छतश्चापि हर्षात् तत् सम्प्रवर्तते।

या

9. (अ) निम्न श्लोकों की व्याख्या कीजिए :
- (i) योऽनायासः श्रमो देहे प्रवृद्धः श्वासवर्जितः।  
क्लमः स इति विज्ञेय इन्द्रियार्थप्रबाधकः॥
- (ii) निद्रातियोगे वमनं हितं संशोधनानि च।  
लंघनं रक्तमोक्षश्च मनोव्याकुलनानि च॥
- (ब) टिप्पणी लिखिए :
- (i) कला
- (ii) त्वचा

----- x -----